

१ॐ नमोऽरुणाय नमोऽसिंहाय
नमोऽ॥ न्यासः ॥ ॐ ह्रीं नमो
ह्रीं नमो ॥ ॐ ह्रीं नमो
ह्रीं नमो ॥ ॐ ह्रीं नमो
नमो ॥ ॐ ह्रीं नमो
नमो ॥ ॐ ह्रीं नमो

368
N. siu
Kavaca

श्रीगुरुभ्यो नमः

AS-16 ARCHIVES

2149

I

नमः॥ॐ ह्रीं क न ग त वृ षा श्यां
नमः॥ ज वं ह द पा दि ॥ अथ
ध्यान॥ॐ म य स न स र य स क र
य म म तं क्षा नो द्वि म ध्य स क ति
सा ग म तूर म णि य स न व द नो
ह वा स ह म्रा क न ॥ अ ह न व

१

४३

क पि ना क (ग म त र य व त्रां त वि
या त्म कं त क्क किं चु ग्री त र ते ह
नी च ध व ल यो ल क्ष्मी नृ सिं ह
ह र ॥ ध्यान पू र्ण न मः ॥
अथ म नु ॥ ॥ॐ ह्रीं प्रो
ह्रीं ह्रीं प्रो ह्रीं न मः ध्यान

मनु॥ जाय॥ नमो॥ स्वाहा॥
 ॐ नमो नृसिंहाय नमो
 राजाय नमो नमो नमो
 यदंशु कृतं तावदनाय
 यव तावदप्रविकृतं यव
 दहाय ॥ ॐ नमो नमो

नायतुद्राय हृदकात्रिलुं
ह्रीं ह्रीं नृसिंहाय स्वाहा मां
नृसिंहाय कपित्थययन
माद्यवावायसत्यवृत्तं
यायउत्तुत्तुत्तुत्तुत्तुत्तु
ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं

सूरु स्याह ॥ सर्वत्रा गमनां व
ध्वर सर्व ग्रहा न्नां वध्वर स
र्व द वे दा षा नां वध्वर सर्व
वी ज्ञानां वध्व सर्व यज्ञ गमनां ३
वध्वर सर्व व्या षा नां वध्वर
सर्व ते न युग पि गमच गा कि

४५

नी ज कि नी मन्त्र यन्तु वध्व
की स य र म द य र च व य
य र म द य वि त्रा ग म नी ना
नू स र्व वि क्री ह न न द ह र
मे थ र य च र च नू य र च क
न ग द या व न न ह म्मा क

नूर कौ कौ कौ कौ कौ कौ ऊँ न
 सिंह यन म स्वाहा ॥ ॥
 ॐ मि श्री न सिंह पुत्रा लव
 मा विष्णु संवाद श्री न सिंह ५
 मनु वव च समापकं ॥
 श्रीत श्री न सिंह श्रीति ॥ १ ॥